



प्रकृति के साथ मनुष्य खिलवाड़ करता रहा है परन्तु प्रकृति की भी एक हद तक सहने की शक्ति होती है। इसके गुस्से का नमूना कुछ साल पहले बंबई में देखने को मिला था। इसने तीन जहाजों को गेंद की तरह उछाल दिया था।

2. जो जितना बड़ा होता है उसे उतना ही कम गुस्सा आता है।

उत्तर

महान तथा बड़े लोगों में क्षमा करने की प्रधानता होती है। किसी भी व्यक्ति की महानता क्रोध कर दण्ड देने में नहीं होती है बल्कि किसी की भी गलती को क्षमा करना ही महान लोगों की विशेषता होती है। समुद्र महान है। वह मनुष्य के खिलवाड़ को सहन करता रहा। पर हर चीज़ की हद होती है। एक समय उसका क्रोध भी विकराल रूप में प्रदर्शित हुआ। वैसे तो महान व्यक्तियों की तरह उसमें अथाह गहराई, शांति व सहनशक्ति है।

3. इस बस्ती ने न जाने कितने परिंदों-चरिंदों से उनका घर छीन लिया है। इनमें से कुछ शहर छोड़कर चले गए हैं। जो नहीं जा सके हैं उन्होंने यहाँ-वहाँ डेरा डाल लिया है।

उत्तर

बस्तियों के फैलाव से पेड़ कटते गए और पक्षियों के घर छिन गए। कुछ की तो जातियाँ ही नष्ट हो गईं। कुछ पक्षियों ने यहाँ इमारतों में डेरा जमा लिया।

4. शेख अयाज़ के पिता बोले, नहीं, यह बात नहीं है। मैंने एक घर वाले को बेघर कर दिया है। उस बेघर को कुँ पर उसके घर छोड़ने जा रहा हूँ। इन

पंक्तियों में छिपी हुई उनकी भावना को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर

शेख अयाज़ के पिता बोले, नहीं, यह बात नहीं है। मैंने एक घर वाले को बेघर कर दिया है। उस बेघर को कुएँ पर उसके घर छोड़ने जा रहा हूँ। इन पंक्तियों में उनकी यह भावना छिपी हुई थी कि वे पशु-पक्षियों की भावनाओं को समझते थे। वे चीटें को भी घर पहुँचाने जा रहे थे। उनके लिए मनुष्य पशु-पक्षी एक समान थे। वे किसी को भी तकलीफ नहीं देना चाहते थे।

भाषा अध्ययन

1. उदाहरण के अनुसार निम्नलिखित वाक्यों में कारक चिह्नों को पहचानकर रेखांकित कीजिए और उनके नाम रिक्त स्थानों में लिखिए; जैसे -

- (क) माँ ने भोजन परोसा। कर्ता
- (ख) मैं किसी के लिए मुसीबत
नहीं हूँ।
- (ग) मैंने एक घर वाले को
बेघर कर दिया।
- (घ) कबूतर परेशानी में इधर-
उधर फड़फड़ा रहे थे।
- (ङ) दरिया पर जाओ तो उसे
सलाम किया करो।

उत्तर

- (क) माँ ने भोजन परोसा। कर्ता
- (ख) मैं किसी के लिए मुसीबत नहीं हूँ। संप्रदान
- (ग) मैंने एक घर वाले को बेघर कर दिया। कर्म
- (घ) कबूतर परेशानी में इधर-उधर फड़फड़ा रहे थे। अधिकरण
- (ङ) दरिया पर जाओ तो उसे सलाम किया करो। अधिकरण

2. नीचे दिए गए शब्दों के बहुवचन रूप लिखिए -
चींटी, घोड़ा, आवाज़, बिल, फ़ौज, रोटी, बिंदु, दीवार,
टुकड़ा।

उत्तर

- चींटी - चींटियाँ
- घोड़ा - घोड़े
- आवाज़ - आवाज़ें
- बिल - बिल
- फ़ौज - फ़ौजें
- रोटी - रोटियाँ
- बिंदु - बिंदु (बिंदुओं को)
- दीवार - दीवारें
- टुकड़ा - टुकड़े

3. निम्नलिखित वाक्यों में उचित शब्द भरकर

वाक्य पूरे किजिए -

(क) आजकल बहुत खराब है।

(जमाना/ज़माना)

(ख) पूरे कमरे को दो। (सजा/सज़ा)

(ग) माँ दही भूल गई। (जमाना/ज़माना)

(घ) चीनी तो देना (जरा/ज़रा)

(ङ) दोषी को दी गई। (सजा/सज़ा)

(च) महात्मा के चेहरे पर..... था। (तेज/तेज़)

उत्तर

(क) आजकलज़माना..... बहुत खराब है।

(ख) पूरे कमरे कोसजा..... दो।

(ग) माँ दहीजमाना... भूल गई।

(घ) ...ज़रा.... चीनी तो देना

(ङ) दोषी को ..सज़ा... दी गई।

(च) महात्मा के चेहरे पर ..तेज़.. था।

***** END *****